चैत्र शुक्ल पक्ष (गुज. चैत्र सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४५			
संवत २०८०			मार्च - अप्रैल - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	22	मार्च, सन २०२३, संवत्सरोत्सवः, गुडी पडवा । चैत्र नवरात्र प्रारंभ । इष्टिः ।
२	गुरु	23	श्री यदुनाथजी के ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) को उत्सव संवत (१६३४)
३	शुक्र	24	प्रथम गणगौर (लाल)
४	शनि	25	द्वितीय गणगौर (हरी)
५	रवि	26	तृतीय गणगौर (गुलाबी)
६	सोम	27	श्री विठ्ठलनाथजी के षष्ठ आत्मज आध षष्ठ गृहाधीश श्रीयदुनाथजी महाराजजी को उत्सव (संवत १६१५) । श्री यमुनाजी को उत्सव । यमुना छठ्ठ ।
७	मंगल	28	----
८	बुध	29	----
९	गुरु	30	श्री रामनवमी जयंती व्रत ।
१०	शुक्र	31	श्री रामनवमी व्रत की पारणा ।
११	शनि	01	अप्रैल । कामदा एकादशी व्रत । श्री महाप्रभुजी के उत्सव की वधाई (१५ दिन)
१२	रवि	02	----
१३	सोम	03	त्रयोदशी वृद्धि तिथी ।
१३	मंगल	04	----
१४	बुध	05	----
१५	गुरु	06	लघु रासोत्सव, चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नानारम्भ । इष्टिः ।

वैशाख कृष्ण पक्ष (गुज. चैत्र वद)

श्री वल्लभाब्द ५४५ - ५४६

संवत २०८० | अप्रैल - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	07	----
२	शनि	08	----
३	रवि	09	विद्यमान षष्ठ गृहाधिश गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री गोद पधारे, तिलक उत्सव (संवत २०४६)
४	सोम	10	श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बडी बधाई (८ दिन)।
५	मंगल	11	षष्ठी को क्षय।
७	बुध	12	पाटोत्सव श्री विठ्ठलनाथजी, नाथद्वारा। श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ३) के उत्सव की बधाई ।
८	गुरु	13	----
९	शुक्र	14	मेष संक्राति। श्री प्रभु आज सतुवा उत्थापन अथवा भोग-संध्या में आरोगे। पुण्यकाल मध्याहन् से लेकर सूर्यास्त पर्यन्त है। १८.४५ सूं पूर्व दान पुण्यादि करने।
१०	शनि	15	----
११	रवि	16	श्री महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (संवत १५३५)। श्री वल्लभाब्द ५४६ प्रारम्भ, वरुथिनी एकादशी व्रत। श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ३) को उत्सव (संवत १६६०)।
१२	सोम	17	----
१३	मंगल	18	----
१४	बुध	19	दर्श अमावस्या।
३०	गुरु	20	इष्टि: । खग्रास सूर्यग्रहण (भारत में नहि दिखेगो सो पालनो नहीं है।

वैशाख शुक्ल पक्ष (गुज. वैशाख सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० | अप्रैल-मई - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	21	----
२	शनि	22	----
३	रवि	23	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, त्रेतायुगादि ।
४	सोम	24	----
५	मंगल	25	पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, राजनगर ।
६	बुध	26	----
७	गुरु	27	----
८	शुक्र	28	----
९	शनि	29	----
१०	रवि	30	----
११	सोम	01	मई । मोहिनी एकादशी व्रत ।
१२	मंगल	02	----
१३	बुध	03	----
१४	गुरु	04	श्री नृसिंह जयंती व्रत ।
१५	शुक्र	05	पूर्णिमा । वैशाख स्नान समाप्ति, मांद्य चंद्रग्रहण (भारत में दिखेगो परंतु माद्य होयवे सूं पालनो नहीं है) ।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. वैशाख वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० | मई - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	06	इष्टिः ।
२	रवि	07	श्री प्रभु के फूल के श्रृंगार को प्रारंभ । षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु को प्रथम पाटोत्सव । छप्पनभोग उत्सव(संवत २०६७) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराज कृत ।
३	सोम	08	----
४	मंगल	09	----
५	बुध	10	----
६	गुरु	11	----
७	शुक्र	12	----
८	शनि	13	नवमी को क्षय ।
१०	रवि	14	----
११	सोम	15	अपरा एकादशी व्रत ।
१२	मंगल	16	----
१३	बुध	17	----
१४	गुरु	18	----
३०	शुक्र	19	दर्श-भावुका अमावस्या । अन्वाधान ।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (गुज. जेठ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० मई - जून - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	20	इष्टि: ।
२	रवि	21	श्री यदुनाथजी के चतुर्थ आत्मज श्री बालकृष्णजी को उत्सव (संवत १६४४)
३	सोम	22	----
४	मंगल	23	----
५	बुध	24	----
६	गुरु	25	सूर्य रोहिणी नक्षत्र में। आज रात्रि के ९.०० बजे सूं लेके आषाढ कृष्ण ५ गुरु को सायं ६.५४ बजे तक रोहिणी नक्षत्र है, ता सूं इन दिनन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है।
७	शुक्र	26	श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) के उत्सव की बधाई।
७	शनि	27	सप्तमी की वृद्धि।
८	रवि	28	जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि.शरणमकुमारजी)(संवत २०५६)
९	सोम	29	----
१०	मंगल	30	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव।
११	बुध	31	निर्जला एकादशी व्रत। श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) को उत्सव (संवत १७८३)।
१२	गुरु	01	जून।
१३	शुक्र	02	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्री नटवर प्रभु निज गृह बडोदा में संग बिराजे (संवत २०१५)।
१४	शनि	03	स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो।
१५	रवि	04	स्नानयात्रा। ज्येष्ठाभिषेक। प्रात: मंगला के बाद श्री प्रभु को सूर्योदय पूर्व स्नान कराने।

आषाढ कृष्ण पक्ष (गुज. जेठ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० जून - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	05	द्वितीया को क्षय ।
३	मंगल	06	----
४	बुध	07	----
५	गुरु	08	----
६	शुक्र	09	----
७	शनि	10	----
८	रवि	11	----
९	सोम	12	श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) के उत्सव की बधाई ।
१०	मंगल	13	----
११	बुध	14	योगिनी एकादशी व्रत ।
१२	गुरु	15	श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) को उत्सव (संवत १७१७) ।
१३	शुक्र	16	----
१४	शनि	17	दर्श अमावस्या ।
३०	रवि	18	इष्टि: ।

आषाढ शुक्ल पक्ष (गुज. आषाढ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० | जून - जुलाई - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव	वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	सोम	19	----	
२	मंगल	20	----	
३	बुध	21	रथयात्रा । दक्षिणायन आरंभ ।	
४	गुरु	22	----	
५	शुक्र	23	श्री द्वारकाधीशजी को पाटोत्सव (काँकरोली) (संवत १७२०) ।	
६	शनि	24	कसुम्बा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू, श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव ।	
७	रवि	25	----	
८	सोम	26	----	
९	मंगल	27	----	
१०	बुध	28	बैंगन दशमी ।	
११	गुरु	29	देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ ।	
१२	शुक्र	30	----	
१३	शनि	01	जुलाई ।	
१४	रवि	02	----	
१५	सोम	03	पर्वात्मक उत्सव । एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो तामे पूर्णिमा मुख्य । व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, कचोरी पूनम ।	

निज श्रावण कृष्ण पक्ष (गुज. आषाढ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० जुलाई - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	04	इष्टिः ।
२	बुध	05	हिन्डौरा आरम्भ ।
३	गुरु	06	चतुर्थी को क्षय ।
५	शुक्र	07	श्री गोकुलचंद्रमाजी को पाटोत्सव (कामवन) तथा श्री गोकुलनाथजी को पाटोत्सव (गोकुल) । चतुर्थी को क्षय होयवे सूं आज ।
६	शनि	08	----
७	रवि	09	----
८	सोम	10	जन्माष्टमी की बधाई । केसरी घटा ।
९	मंगल	11	----
१०	बुध	12	----
११	गुरु	13	कामिका एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	14	----
१३	शनि	15	पीली घटा ।
१४	रवि	16	----
३०	सोम	17	हरियाली अमावस्या । हरि घटा, दर्श , सोमवती अमावस्या ।

अधिक श्रावण शुक्ल पक्ष (गुज. अ. श्रावण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० | जुलाई - अगस्त - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	18	इष्टि:। अधिकमास पुरुषोत्तम मास आरंभ । या मास में प्रतिदिन दान करनो प्रशस्त है । दान को संकल्प पृष्ठ २९ पर लिख्यो है ।
२	बुध	19	----
३	गुरु	20	तृतीया की वृद्धि तिथी ।
३	शुक्र	21	आज व्यतिपात होयवे सूं कछु भी भोग में विशेष धरनो तथा यथाशक्ति दान- ब्राह्मण भोजन करानो ।
४	शनि	22	----
५	रवि	23	----
६	सोम	24	----
७	मंगल	25	----
८	बुध	26	----
९	गुरु	27	----
१०	शुक्र	28	----
११	शनि	29	कमला एकादशी व्रत ।
१२	रवि	30	आज वैधृति होयवे सूं अति पुण्यकाल है । श्रीन के मनोरथ एवं दान आदि अधिक करनो ।
१३	सोम	31	चतुर्दशी को क्षय ।
१५	मंगल	01	अगस्त । पुण्यदिनम् । अन्वाधान ।

अधिक श्रावण कृष्ण पक्ष (गुज. अ. श्रावण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० **अगस्त - 2023**

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा- शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	02	इष्टिः ।
२	गुरु	03	----
३	शुक्र	04	----
४	शनि	05	----
५	रवि	06	षष्ठी को क्षय ।
७	सोम	07	----
८	मंगल	08	----
९	बुध	09	----
१०	गुरु	10	----
११	शुक्र	11	एकादशी वृद्धि तिथी ।
११	शनि	12	पद्मिनी एकादशी व्रत ।
१२	रवि	13	
१३	सोम	14	श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ५) के उत्सव की बधाई ।
१४	मंगल	15	दर्श अमावस्या ।
३०	बुध	16	अधिकमास - पुरुषोत्तममास समाप्त । पुण्यदिनम् । अन्वाधान । पुरुषोत्तममास के नियम की समाप्ती ।

निज श्रावण शुक्ल पक्ष (गुज. निज श्रावण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६			
संवत २०८०			अगस्त - 2023
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा-शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	17	इष्टिः । श्री प्रद्युमनजी(टिकेत ५)को उत्सव (संवत १७६२) लाल घटा ।
२	शुक्र	18	श्री यदुनाथजी के तृतीय आत्मज श्री जगन्नाथजी को उत्सव (संवत १६४२)
३	शनि	19	ठकुरानी तीज मधुश्रवा ।
४	रवि	20	फिरोजी घटा ।
५	सोम	21	नागपंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्वभुजा के दर्शन ।
६	मंगल	22	गुलाबी घटा ।
७	बुध	23	सफेद घटा । शरद ऋतु प्रारंभ ।
८	गुरु	24	इन्द्रधनुषी घटा ।
९	शुक्र	25	----
१०	शनि	26	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु को द्वितीय पाटोत्सव ।
११	रवि	27	पुत्रदा एकादशी व्रत, पवित्रा एकादशी, श्रीनकूं पवित्रा प्रात: श्रृंगार में १०.२६ बजे सूं पूर्व धरने । जन्माष्टमी की बडी बधाई ।
१२	सोम	28	पवित्रा बारस - गुरुनकूं पवित्रा धरावें ।
१३	मंगल	29	तेरस को बगीचा (बगीचा तेरस) ऋक श्रावणी ।
१४	बुध	30	अथर्व, शुक्ल, यजु: तैत्तिरिय श्रावणी ।
१५	गुरु	31	इष्टिः । रक्षाबंधन, श्रीनकु प्रात: श्रृंगार में ७.०६ बजे पूर्व रक्षा धरावें । प्रतिपदा को क्षय । जन्माष्टमी की भठ्ठी पूजा ।

निज भाद्रपद कृष्ण पक्ष (गुज. चैत्र सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० — सितंबर - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव — शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
२	शुक्र	01	सितंबर । एकम को क्षय ।
३	शनि	02	कज्जली तीज ।
४	रवि	03	हिन्डौरा विजय । संध्या समय (भोग संध्या) ।
५	सोम	04	----
६	मंगल	05	----
७	बुध	06	शयन में षष्ठी को उत्सव । विष्णुस्वामी प्राकटयोत्सव ।
८	गुरु	07	जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जन्मोत्सव ।
९	शुक्र	08	नन्द महोत्सव ।
१०	शनि	09	----
११	रवि	10	अजा एकादशी व्रत ।
१२	सोम	11	छठ्ठी को पलना ।
१३	मंगल	12	----
१४	बुध	13	----
३०	गुरु	14	अमावस्या वृद्धि । कुशग्रहणी-अमावस्या ।
३०	शुक्र	15	इष्टि: ।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (गुज. भादरवा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० | सितंबर - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव — शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	16	श्री राधाष्टमी की बधाई (८ दिन) ।
२	रवि	17	सामवेदीन की श्रावणी ।
३	सोम	18	केवडा त्रीज ।
४	मंगल	19	गणेश चतुर्थी।
५	बुध	20	ऋषि पंचमी (श्री चंद्रावलीजी को उत्सव)।
६	गुरु	21	----
७	शुक्र	22	श्री यदुनाथजी के द्वितीय आत्मज श्री रामचन्द्रजी को उत्सव (संवत १६३८)।
८	शनि	23	श्री राधाष्टमी।
९	रवि	24	----
१०	सोम	25	एकादशी को क्षय।
१२	मंगल	26	परिवर्तिनी - दान एकादशी। श्री वामन जयंति व्रत।
१३	बुध	27	----
१४	गुरु	28	अनन्त चतुर्दशी।
१५	शुक्र	29	पूर्णिमा। साँझी को प्रारम्भ। महालय श्राद्ध पक्ष आरंभ। श्राद्ध पक्ष को निर्णय पृष्ठ ३४ पर लिख्यो है।

आश्विन कृष्ण पक्ष (गुज. भादरवा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० — सितंबर - अक्टुबर - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव — शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	30	ईष्टिः । द्वितीया को श्राद्ध ।
२	रवि	01	अक्टुबर । तृतीया को श्राद्ध ।
३	सोम	02	चतुर्थी को श्राद्ध । चतुर्थी को क्षय । श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२)के उत्सव की बधाई ।
५	मंगल	03	पंचमी को श्राद्ध।
६	बुध	04	षष्ठी को श्राद्ध । व्यतिपात ।
७	गुरु	05	सप्तमी वृद्धि तिथी । सप्तमी को श्राद्ध । श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२) को उत्सव (संवत १९६२)। महादान मनोरथ निज मंदिर में ।
७	शुक्र	06	अष्टमी को श्राद्ध ।
८	शनि	07	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्रीगोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (संवत १५८७) । नवमी को श्राद्ध, अविधवा नवमी ।
९	रवि	08	दशमी को श्राद्ध । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के उत्सव की बधाई (४ दिन),श्री गिरधरलालजी(टिकेत ११) के उत्सव की बधाई ।
१०	सोम	09	एकादशी को श्राद्ध
११	मंगल	10	इन्दिरा एकादशी व्रत । मधा श्राद्ध, द्वादशी श्राद्ध ।
१२	बुध	11	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत १५६७)। श्री गिरधरलालजी (टिकेत ११)को उत्सव (संवत १९२३)। महादान मनोरथ । द्वादशी को श्राद्ध ।
१३	गुरु	12	श्री गुसांइजी के तृतीय पुत्र श्री बालकृष्णलालजी को उत्सव (संवत १६०६)। त्रयोदशी श्राद्ध ।
१४	शुक्र	13	चतुर्दशी को श्राद्ध । शस्त्रहतन को श्राद्ध । कोट की आरती ।
३०	शनि	14	सर्वपितृ दर्श अमावस्या, अमावस्या श्राद्ध । साँझी की समाप्ति । कंकणाकृति सूर्य ग्रहण (भारत में नहीं दिखेगो सो पालनो नहिं है ।

* श्राद्ध पक्ष को निर्णय विस्तार सूं पृष्ठ ३४ पर लिख्यो हे ।

आश्विन शुक्ल पक्ष (गुज. आसो सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६			
संवत २०८०			अक्टुबर - 2023
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद - हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	15	इष्टिः। नवरात्रि प्रारम्भ। मातामह श्राध्ध। अंकुरारोपणम्।
२	सोम	16	----
३	मंगल	17	श्री यदुनाथजी के पंचम आत्मज श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत १६४७)
४	बुध	18	----
५	गुरु	19	----
६	शुक्र	20	सरस्वती आवाहन , पूजनारंभः।
७	शनि	21	सरस्वती पूजन।
८	रवि	22	----
९	सोम	23	दशहरा (विजयादशमी)। सरस्वती विसर्जनम्। अंकुरार्पण, भोग-संध्या में।
१०	मंगल	24	----
११	बुध	25	पाशांकुशा एकादशी व्रत।
१२	गुरु	26	----
१३	शुक्र	27	श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) के उत्सव की बधाई। शरद पूर्णिमा - रासोत्सव। पुर्णिमा के दिन ग्रहण एवं चतुदर्शी को क्षय होयवे सूं आज।
१५	शनि	28	खण्डग्रास चंद्र ग्रहण,भारत में दिखेगो ताको निर्णय पृष्ठ २७ पर लिख्यो है

कार्तिक कृष्ण पक्ष (गुज. आसो वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० | अक्टुबर - नवम्बर - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव	हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	29	इष्टि: । श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) को उत्सव (संवत १८१७) ।	
२	सोम	30	----	
३	मंगल	31	----	
४	बुध	01	नवम्बर ।	
५	गुरु	02	----	
६	शुक्र	03	----	
७	शनि	04	----	
८	रवि	05	----	
९	सोम	06	----	
१०	मंगल	07	दशमी वृद्धि तिथी ।	
१०	बुध	08	----	
११	गुरु	09	रमा एकादशी व्रत । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८) के उत्सव की बधाई । दीपावली की बधाई । गोवत्स द्वादशी ।	
१२	शुक्र	10	----	
१३	शनि	11	धन त्रयोदशी ।	
१४	रवि	12	रुप चतुर्दशी । अभ्यंग - सूर्योदय पूर्व करानो । दीपावली, हटडी, कानजगाई । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८)को उत्सव (संवत १८३६) । श्री वल्लभलालजी(टिकेत १०)के उत्सव की बधाई ।	
३०	सोम	13	दर्श, सोमवती अमावस्या । अन्वाधान । गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव। गुजराती वर्ष वि. स. २०७९ समाप्त ।	

कार्तिक शुक्ल पक्ष (गुज. कारतक सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० नवेम्बर - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	14	इष्टि । गुर्जराणां नूतनवर्ष सं.२०८० प्रारंभ । श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) सुत श्री गोकुलनाथजी (२) को उत्सव (संवत १८९६) ।
२	बुध	15	यम द्वितीया (भाईदूज)। अभ्यंग। श्री वल्लभलालजी (टिकेत १०) को उत्सव (संवत १९०७)।
३	गुरु	16	----
४	शुक्र	17	----
५	शनि	18	लाभ पंचमी । श्री कल्याणराय प्रभु व्रज में पधारे (संवत २०६५) व्रजानंद महोत्सव ।
६	रवि	19	सप्तमी को क्षय ।
८	सोम	20	गोपाष्टमी ।श्री कल्याणराय प्रभु गोकुल के निज प्राचीन गृह-मंदिर में बिराजे(संवत २०६४)।
९	मंगल	21	अक्षयनवमी। कुष्माण्डदान, कृतयुगादि। श्री कल्याणरायजी एवं श्री गिरिराजजी (जतीपुरा) को संग कुनवारा भयो(संवत २०६४)
१०	बुध	22	श्री कल्याणराय प्रभु जतिपुरा श्री कल्याणरायजी मंदिर में बिराजे (सं. २०६४)
११	गुरु	23	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) एकादशी व्रत देवोत्थापन प्रातः शृंगार में १०.०३ बजे सूं पूर्व ।
१२	शुक्र	24	उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरिधरजी (संवत १५९७) एवं पंचम पुत्र श्री रघुनाथजी (संवत १६११)।
१३	शनि	25	श्री कल्याणराय प्रभु ,श्री गोकुल चंद्रमाजी,एवं श्रीमदनमोहनजी को संग छप्पन भोग उत्सव (कामवन) ।
१४	रवि	26	----
१५	सोम	27	अन्वाधान,कार्तिक स्नान समाप्ति, चातुर्मास नियम समाप्ति, गोपमासारंभ, व्रतचर्या । देवदिवाली ।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गुज. कारतक वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६			
संवत २०८०			नवम्बर - दिसंबर - 2023
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	28	इष्टि ।
२	बुध	29	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री छोटे मदनमोहनजी (मथुरा) (संवत २०६५) ।
३	गुरु	30	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री बडेमदनमोहनजी (मथुरा) (संवत २०६५) ।
४	शुक्र	01	दिसंबर । विद्यमान टिकेत श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री (संवत २०२४) को जन्मदिन एवं आपके आत्मज श्री आश्रयकुमारजी के पुत्र चि. श्री यदुपतिजी (श्री यदुराजजी) को जन्मदिन (संवत २०७७)।
५	शनि	02	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु राजाधिराज मंदिर मथुरा में बिराजे (संवत २०६५) ।
६	रवि	03	----
७	सोम	04	छप्पनभोग उत्सव- विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०७३) ।
८	मंगल	05	द्वितीय पुत्र श्री गोविंदरायजी को उत्सव (संवत १५९९), श्री कल्याणराय प्रभु काँकरोली पधारे (संवत २०६५) ।
९	बुध	06	----
१०	गुरु	07	----
११	शुक्र	08	----
१२	शनि	09	उत्पत्ति एकादशी व्रत । द्वादशी वृध्धि तिथी । हरी घटा एवं सखडी को प्रथम मंगलभोग ।
१२	रवि	10	----
१३	सोम	11	चतुर्दशी को क्षय । केसरी घटा । सप्तम पुत्र श्री घनश्यामजी को उत्सव (संवत १६२८)। श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को उत्सव (संवत १९६४) ।
३०	मंगल	12	दर्श अमावस्या , अन्वाधान । श्याम घटा ।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (गुज. मागशर सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० — दिसंबर - 2023

तिथि	वार	दि.	उत्सव — हेमंत - शिशिर ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	13	इष्टि ।
२	गुरु	14	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु बेठक मंदिर पधारे । तृ.गृ. श्री व्रजेशकुमारजी कृत (संवत २०४८) । छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु, श्री नवनीतप्रियाजी, श्री द्वारकाधिशजी, एवं श्री मथुराधिशजी (कांकरोली), विठ्ठल विलास बाग में पधारे तृ.गृ.श्री व्रजेशकुमारजी एवं विद्यमान ष.गृ. श्री द्वारकेशलालजी कृत(संवत.२०६५)।
३	शुक्र	15	----
४	शनि	16	श्री कल्याणरायप्रभु व्रजसे पुन: निजगृह-बडौदा पधारे २०६५ । धनुर्मासारंभ । आज सूं एक मास पर्यन्त प्रभु को विशेषत: उष्णोपचार करनो ।
५	रवि	17	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी (कामवन) ।
६	सोम	18	----
७	मंगल	19	उत्सव चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी (संवत १६०८) छप्पनभोग उत्सव (संवत २०६५) विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत ।
८	बुध	20	----
९	गुरु	21	----
१०	शुक्र	22	श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री को विवाहोत्सव(सं.२०४९) ।
११	शनि	23	मोक्षदा एकादशी व्रत। पीली घटा एवं सखडी को द्वितीय मंगलभोग द्वादशी को क्षय होयवे सूं आज ।
१३	रवि	24	छप्पनभोग उत्सव (सं.२०४१) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत।
१४	सोम	25	----
१५	मंगल	26	पूर्णिमा । श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने है । श्री दाउजी को पाटोत्सव । गोपमास व्रतचर्या समाप्ति ।

पौष कृष्ण पक्ष (गुज. मागशर वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६			
संवत २०८०			दिसंबर - जनवरी - 2023-2024
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	27	इष्टिः ।
२	गुरु	28	श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई (८ दिन) ।
२	शुक्र	29	द्वितीया वृद्धि तिथी ।
३	शनि	30	----
४	रवि	31	----
५	सोम	01	जनवरी - २०२४ ।
६	मंगल	02	----
७	बुध	03	----
८	गुरु	04	----
९	शुक्र	05	प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी (श्री गुसांईजी) को उत्सव (संवत १५७२)
१०	शनि	06	----
११	रवि	07	सफला एकादशी व्रत । आज के दिन प्रभु को विशेषत: फल भोग में धरनो । श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) के उत्सव की बधाई ।
१२	सोम	08	सफेद घटा एवं सखडी को तृतीय मंगलभोग ।
१३	मंगल	09	----
१४	बुध	10	श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) को उत्सव (संवत १८६९) । छप्पन भोग उत्सव (संवत २०७४) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत ।
३०	गुरु	11	दर्श अमावस्या ।

पौष शुक्ल पक्ष (गुज. पोष सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० **जनवरी - 2024**

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	12	इष्टिः ।
२	शनि	13	----
३	रवि	14	भोगी उत्सव । चतुर्थी को क्षय । धर्नुमास की समाप्ति ।
५	सोम	15	मकर संक्राति । तिलवा भोग गोपीवल्लभ अथवा राजभोग में आरोगे। ता पीछे दान-श्राद्धादि करने । अबके संक्राति रविवार कूं रात्रि के २.४४ बजे बैठे है ता सूं पूण्यकाल आज सूर्योदय सूं दिन के ३:२३ पर्यन्त है । संक्रांती के पास के २ घंटा अति मुख्य पुण्यकाल है। उत्तरायण ।
६	मंगल	16	श्रीमहाप्रभुजी (नरोडा बैठक) को पाटोत्सव ।
७	बुध	17	----
८	गुरु	18	----
९	शुक्र	19	----
१०	शनि	20	श्री बालकृष्णलालजी (श्री व्रजेशकुमारजी महाराज - कांकरोली) को उत्सव (सं. १९९६)
११	रवि	21	पुत्रदा एकादशी व्रत ।
१२	सोम	22	मेघश्याम घटा । सखडी को चतुर्थ मंगल भोग ।
१३	मंगल	23	----
१४	बुध	24	----
१५	गुरु	25	पूर्णिमा । छप्पनभोग उत्सव (संवत २०१५) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत । माघस्नानारंभ ।

माघ कृष्ण पक्ष (गुज. पोष वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० जनवरी - फरवरी - 2024

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	26	इष्टि: ।
२	शनि	27	----
३	रवि	28	----
४	सोम	29	चतुर्थी वृद्धि तिथी ।
४	मंगल	30	----
५	बुध	31	----
६	गुरु	01	फरवरी ।
७	शुक्र	02	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणरायप्रभु, श्री महाप्रभुजी बेठक - नरोडा पधारे । विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(संवत २०७६)
८	शनि	03	----
९	रवि	04	----
१०	सोम	05	----
११	मंगल	06	षट्तिला एकादशी व्रत । तिल की सामग्री अवश्य भोग धरनी । तिल के दान भक्षणादि करने । गो. श्री आश्रयकुमारजी (वल्लभलालजी) को विवाह उत्सव ।
१२	बुध	07	लाल घटा ।
१३	गुरु	08	----
१४	शुक्र	09	दर्श अमावस्या, अमावस्या को क्षय होयवे सूं आज । अमावस्या क्षय तिथी ।

माघ शुक्ल पक्ष (गुज. महा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६			
संवत २०८०			फरवरी - 2024
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर -वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	10	इष्टि: । छप्पनभोग उत्सव - गो.श्री वल्लभलालजी (चि. आश्रयकुमारजी)के विवाह उपलक्ष निज गृह (बडौदा) में आरोगे, विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७६)
२	रवि	11	----
३	सोम	12	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री गोकुलचंद्रमाजी बडौदा निज गृह में आरोगे विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७०)
४	मंगल	13	----
५	बुध	14	वसंत पंचमी ।
६	गुरु	15	----
७	शुक्र	16	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री मदनमोहनजी बडौदा निज गृह में आरोगे, विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६२) छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री लाडीलेशजी (सुरत) बडौदा निज गृह में आरोगे, विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६३)
८	शनि	17	----
९	रवि	18	----
१०	सोम	19	----
११	मंगल	20	जया एकादशी व्रत ।
१२	बुध	21	----
१३	गुरु	22	----
१४	शुक्र	23	----
१५	शनि	24	माघी पूर्णिमा । होरी डन्डा रोपण- आज सूर्योदयात् पूर्व प्रात: ४.४६ पश्चात, याही समय धमार को आरंभ । माघ स्नान समाप्ति ।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (गुज. महा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० फरवरी - मार्च - 2024

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	25	इष्टि: । छप्पनभोग उत्सव - पुष्टि पर्व अंतर्गत श्री कल्याणराय प्रभु नरोडा श्री महाप्रभुजी बैठक पधारे और आरोगे, विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०६८) छप्पनभोग उत्सव - गो. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणम्कुमारजी) के विवाह उपलक्ष निजगृह (बडौदा) में आरोगे, विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०७९)
२	सोम	26	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु एवं सप्तम निधि श्री मदनमोहनजी संग में विवाह मनोरथ में बिराजे - षष्ठगृह बडौदा (सं २०७९) ।
३	मंगल	27	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्रीनटवरलाल प्रभु संग असारवा बेठक में बगीचा मनोरथ में बिराजे (सं २०६८)
४	बुध	28	गो. श्री विठ्ठलनाथजी(चि.शरणम्कुमारजी) को विवाह उत्सव (सं.२०७९)
५	गुर	29	----
६	शुक्र	01	मार्च । छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु श्री कल्याणपुष्टि हवेली (अहमदाबाद) में आरोगे, विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०६८)
६	शनि	02	----
७	रवि	03	श्री श्रीनाथजी को पाटोत्सव ।
८	सोम	04	----
९	मंगल	05	दशमी को क्षय ।
११	बुध	06	----
१२	गुरु	07	विजया एकादशी व्रत । जन्मदिन चि. गो. श्री वल्लभलालजी (गो. श्री आश्रयकुमारजी) (संवत २०५३) ।
१३	शुक्र	08	शिवरात्री ।
१४	शनि	09	----
३०	रवि	10	इष्टि: । दर्श अमावस्या ।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (गुज. फागण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० **मार्च - 2024**

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	11	----
२	मंगल	12	तृतीया को क्षय ।
४	बुध	13	----
५	गुरु	14	नि.ली.श्री वल्लभलालजी एवं नि.ली.श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को विवाह उत्सव । बगीचा ।
६	शुक्र	15	----
७	शनि	16	श्री मथुराधीशजी को पाटोत्सव (कोटा) ।
८	रवि	17	होलिकाष्टकारम्भ ।
९	सोम	18	----
१०	मंगल	19	----
११	बुध	20	आमलकी एकादशी व्रत, कुंज एकादशी ।
१२	गुरु	21	----
१३	शुक्र	22	बगीचा तेरस । त्रयोदशी वृध्धि तिथी ।
१३	शनि	23	----
१४	रवि	24	होलिकोत्सव ।
१५	सोम	25	होलिका प्रदीपन प्रात: मंगल भोग धरके ६.४० पूर्व करनो । धुरेण्डी । दोलोत्सव, श्री प्रभुको प्रात: १०.३८ पूर्व दोलोत्सव में बिराजमान करने । माद्यचन्द्र ग्रहण (भारत में नहि दिखेगो सो पालनो नहि)।

चैत्र कृष्ण पक्ष (गुज. फागण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४६

संवत २०८० मार्च - अप्रैल - 2024

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	26	इष्टि: । द्वितीया पाट । शीतकालीन सेवा समाप्त ।
२	बुध	27	----
३	गुरु	28	----
४	शुक्र	29	----
५	शनि	30	रंगपंचमी ।
६	रवि	31	----
७	सोम	01	अप्रैल ।
८	मंगल	02	----
९	बुध	03	गुप्त उत्सव ।
१०	गुरु	04	----
११	शुक्र	05	पापमोचनी एकादशी व्रत ।
१२	शनि	06	----
१३	रवि	07	षष्ठ पुत्र श्री यदुनाथजी एवं आपके ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) के उत्सव की बधाई । चर्तुदशी को क्षय होयवे सूं आज ।
३०	सोम	08	व्रज वि. सं. २०८० एवं शालिवाहन शक १९४५ समाप्त । दर्श अमावस्या । सोमवती अमावस्या । वर्षे हर्ष: प्रकर्ष: स्यात् ।